

## पर्युषण आया है

के अवसर आया है,  
पर्युषण आया है,  
करना क्षमा तुम जरूर,  
अरे ये मौका है धर्म का,  
अरे ये मौका है धर्म का,  
के अवसर आया है,  
पर्युषण आया है,  
करना क्षमा तुम जरूर।

जितने पाप करे हैं,  
हमने जो कर्म करे है,  
तपजप का है मौका,  
क्यों मानव शर्म करे है,  
अवसर ये एक है नेक है,  
है अपने स्वधर्म का,  
के अवसर आया है,  
पर्युषण आया है,  
करना क्षमा तुम जरूर।

कहते हैं ज्ञानी ध्यानी,  
मेरे वीर प्रभु की वाणी,  
जो समझे जिनशासन को,  
तिर जाता है वो प्राणी,  
अवसर ये एक है नेक है,  
अपने ही कर्म का,  
के अवसर आया है,  
पर्युषण आया है,  
करना क्षमा तुम जरूर।

जाने अनजाने में,  
कितनो का दिल है दुखाया,  
अब आया ऐसा मौका,  
जो क्षमापना का आया,  
करले ले तू क्षमा तू क्षमा,  
अपने गुनाह का,  
के अवसर आया है,  
पर्युषण आया है,  
करना क्षमा तुम जरूर।  
अरे ये मौका है धर्म का,  
के अवसर आया है,  
पर्युषण आया है,  
करना क्षमा तुम जरूर।

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23744/title/prayushan-aaya-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |